

On the Court of Circle offices, Deccan

Date of filing of petition
2004

Date of Birth 3/3/2006-04
Age 2 years

Date of issuing of
28/9/86

cpc of order dated 20/03/03.

卷之五

१०/१/०३ आमलेख उत्तमवाचिता : प्रश्नपत्र वाद अर्थात्/अर्थादात्

..... १९८/१९८ बिहारी लाल

कामा..... देखिये..... शर्ता धार्मिक अधिकारी वर प्रारम्भ किया गया
अधिकारीका प्राप्ति..... देखिये..... याना कि. ५३..... जमाईदो
तीव्रा. /५३//..... रुपा. /५६४०/ देखिये नामांकनाम हेतु

इन्हें दाता की है। दातिल अवैदन के आधार पर संवैधन के कानूनी वो इनका निर्दीश से स्थानीय वो राजस्व अधिकारी का जाए और उसके द्वायेन प्राप्ति किया गया। राजस्व दाता तो उन अन्य वैदेषिकों के भावता दातिल करने हेतु सुनाहा — की गयी। जिसका तामिला अभिलेख यह है। निर्धारित अधिकारी के अन्दर इसी से लोट आपाराम प्राप्त हुआ। उसका अधिकारी वो इनका निर्दीश से प्राप्त द्वायेन तथा इनकी कानूनी सुनाहा अधिकार/अधिकारिया द्वारा नामांतरण हेतु प्राप्त होता था। ऐसी निर्दीशित देवाता तो... ८७३..., विवाह ११/१९

४२३ द्राघा जो ज्ञाति पूर्ण व्यक्तिगत है। विपक्षमत ज्ञान वहाँही तत्त्व की है, जोपा भूदान सीधे रहे मूलवर्णीय से गुण है। उसका वर्णनात्मकी रूपे अंगत निरीक्षण विधानस्त ज्ञान जा नामान्वयत्व आवेदक के नाम है तो उचित बनने हेतु अनुरोध भी है।

अहं सर्वां वर्णवारी यो अंग निरीक्षण का अनुरूप निर्विभाग
 बेचा गया। प्राप्ति युक्त इसका स्वयं उन्नति के आधार पर मौजूदा...
 ... १५८३/१०० साल के ५/३/..... दिन १५९/३३/..... वार्ष
 दाव युक्त P.R. ८०. एवं १५०४०/१५०५/..... वा
 नामान्तरण आदेश प्राप्ति/दिक्षा/लिपितुलार लिखे गये...
 मिता... ५०/३०/..... दिन १५९/३३/..... वार्ष १५०४०/१५०५/.....
 याना... ५०/३०/..... दिन १५९/३३/..... वार्ष १५०४०/१५०५/.....
 ... पी याती है। अनुरूपित वार्ष १५०४०/१५०५/.....
 इ अवधि का व्युत्तरोष दोगम...। आवेदक है... ५०/३०/.....
 वार्ष कुछ प्राप्त करे। जार्यालय उत्तरक शुद्धि एवं निरीक्षण के तथा
 अनुरूप देते हुए कार्यालयी दो छत्तीस वर्ष देते।

दैवित वराणा स्वं इति खितः

अमृत-संकलन

卷之三

ॐ श्रीराम

三

STAMPED
8/10/74
STAR REGD. NO.-225A
30V OF JHARKHAND
Author Jharkhand/India

